RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 05 जनवरी 2023 | वर्ष 05 | अंक 253 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ठाणे में बूचड़खाने पर छापा, अवैध रूप से तैयार किया गया घी जब्त

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थानीय अधिकारियों ने एक बंद बूचड़खाने पर छापा मारा और जानवरों के अंगों से घी तैयार करने वाली एक अवैध विनिर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भिवंडी शहर के ईदगाह रोड पर स्थित बूचड़खाने पर मंगलवार को छापा मारा गया। भिवंडी निजामपुर नगर निगम (बीएनएमसी) के आपदा प्रबंधन अधिकारी साकिब करभे ने बताया कि अधिकारियों ने पाया कि बाजार में आपूर्ति के लिए गुप्त तरीके से जानवरों के अंगों से घी तैयार किया रहा था। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से तैयार किये गये घी के दस टिन, छह बड़े बर्तन और घी तैयार की प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाली अन्य वस्तुएं जब्त की गई हैं। अधिकारी ने बताया कि बूचड़खाने में मौजूद लोग अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही भाग गये।

महाराष्ट्र कैबिनेट का बड़ा फैसला

नवंबर 2005 के बाद सेवा में आने वाले कर्मियों को ओपीएस के लिए दी मंजूरी...

महाराष्ट्र में शिंदे सरकार ने राज्य कर्मियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। गुरुवार को कैबिनेट ने नवंबर 2005 के बाद सेवा में शामिल होने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) ओपीएस के लिए मंजूरी दे दी।

26,000 कर्मचारियों को होगा फायदा

यह फैसला ओपीएस बहाल करने की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने के कुछ दिनों बाद आया है जिसकी जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने दी है। महाराष्ट्र राज्य कर्मचारी परिसंघ के महासचिव विश्वास काटकर ने कहा, 'कैबिनेट के फैसले से उन 26,000 राज्य सरकार के कर्मचारियों को फायदा होगा, जिनका चयन नवंबर 2005 से पहले हुआ था, लेकिन बाद में उन्हें

ज्वाइनिंग लेटर मिला।'

राज्य कैबिनेट ने इन 26,000 कर्मचारियों को छह महीने के भीतर ओपीएस और नई पेंशन योजना के बीच चयन करने और अगले दो महीनों में संबंधित दस्तावेज अपने विभागों में जमा करने को कहा है। सीएमओ के बयान में कहा गया है कि यह इन कर्मचारियों के लिए एक बार का विकल्प है। लगभग 9.5 लाख सरकारी कर्मचारी हैं जो नवंबर 2005 से पहले सेवा में शामिल हुए थे और वे पहले से ही ओपीएस का लाभ उठा रहे हैं। 2005 में राज्य में ओपीएस बंद कर दिया गया था।

इन फैसलों को भी मिली मंजूरी...

राज्य मंत्रिमंडल ने देश के सबसे लंबे समुद्री पुल मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) का उपयोग करने के लिए कारों से 250 रुपये टोल राशि वसूलने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। यह समुद्री पुल मुंबई में सेवरी को पड़ोसी जिले रायगढ़ में न्हावा शेवा से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को एमटीएचएल का उद्घाटन करेंगे। 21.8 किलोमीटर लंबा पुल यात्रा को मौजूदा दो घंटे से घटाकर लगभग 15-20 मिनट कर देगा। इसके अलावा कैबिनेट ने राज्य में दूध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर सब्सिडी जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस निर्णय की घोषणा पिछले महीने आयोजित राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में की गई थी।

आईपीएस रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की नई डीजीपी नियुक्त की गई

1988 बैच की आईपीएस अधिकारी

मुंबई : आईपीएस रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की नई डीजीपी नियुक्त की गई हैं. फोन टैपिंग केस में नाम आने के बाद वो सुर्खियों में आई थीं. राज्य की सबसे सीनियर आईपीएस अधिकारी होने के चलते उन्हें ये कमान सौंपी गई है. राज्य के गृह विभाग ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है. वो रजनीश सेठ की जगह लेंगी. रश्मि शुक्ला 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं. पुलिस महानिदेशक के संभावित पद के लिए वरिष्ठता सूची में रश्मि शुक्ला का नाम सबसे ऊपर है. चर्चा थी कि शुक्ला को मुंबई पुलिस का कमिश्नर बनाया जाएगा. अंततः उन्हें महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया. रश्मि शुक्ला राज्य की पहली महिला पुलिस महानिदेशक होंगी. उन पर राजनीतिक नेताओं के फोन टैपिंग मामले में आरोप लगा था. रश्मि शुक्ला उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की करीबी मानी जाती हैं.

केंद्रीय लोक सेवा आयोग की

बैठक शुक्रवार 29 दिसंबर को हुई. इस समय उन्होंने महानिदेशक पद के लिए तीन अधिकारियों के नामों की सूची भेजी थी. इसमें सबसे पहला नाम था रश्मी शुक्ला का. इस पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को फैसला लेना था. आखिरकार सरकार ने शुक्ला की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया. रश्मि शुक्ला को 6 महीने का कार्यकाल मिलेगा. हालांकि, इसके बाद राज्य सरकार इन्हें बढ़ा सकती है. रश्मि शुक्ला 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं. महाराष्ट्र पुलिस के सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों में से एक. उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के केंद्र प्रमुख के रूप में भी कार्य किया.

जन्मदिन पर दर्शकों की भीड़ से नाराज हुए मंत्री

पुलिस को दिया लाठीचार्ज का निर्देश...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मंत्री अब्दुल सत्तार का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह अपने जन्मदिन के मौके पर आयोजित एक डांस शो के दौरान पुलिस से मौज मस्ती करने वालों पर लाठियां चलाने और उनकी हड्डियां तोड़ने के लिए कहते दिखें। यह घटना बुधवार की रात सिल्लोड शहर में मशहूर डांसर गौतमी पाटिल के डांस शो के दौरान घटी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के नेता अब्दुल सत्तार सिल्लोड विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह राज्य के अल्पसंख्यक विकास मंत्री का भी पद संभाल रहे हैं। वीडियो के वायरल होते ही विपक्ष सत्तार पर उनकी भाषा को लेकर निशाना साध रहे हैं।

वीडियो में देखा गया कि सत्तार मंच से माइक्रोफोन के जरिए पुलिस

को निर्देश दे रहे हैं। वह पुलिस को कुछ दर्शकों पर लाठीचार्ज करने के लिए कह रहे थे। डांसर गौतमी पाटिल का डांस शो सत्तार के जन्मदिन के मौके पर आयोजित किया गया था। बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे, लेकिन जैसे ही डांस शो के दौरान दर्शक उत्साहित होकर शोर मचाने लगे तब सत्तार ने माइक अपने हाथ में ले लिया।

क्यूआर कोड से मिलेगी ठाणे में पेड़ों की जानकारी, 21 पार्कों में 2000 पेड़ों पर लगाए गए क्यूआर कोड...

ठाणे: नगरपालिका पार्कों को अधिक नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए प्रकृति पुस्तकालय शुरू करने के बाद, नगरपालिका प्रशासन ने अब प्रायोगिक आधार पर 21 पार्कों में 2000 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाए हैं। नागरिकों को पेड़ों के बारे में आसानी से जानकारी मिल सके इस

उद्देश्य से यह गतिविधि क्रियान्वित की जा रही है। इस कोड को मोबाइल फोन पर स्कैन करने के बाद नागरिकों को पेड़ों के बारे में जानकारी दो भाषाओं मराठी और अंग्रेजी में उपलब्ध होगी। ठाणे नगर आयुक्त अभिजीत बांगर ने मुख्यमंत्री बाल्डलेट ठाणे की पहल के तहत सड़कों के नवीनीकरण, सौंदर्यीकरण, शौचालयों की मरम्मत, शहर की

बेस्ट बसों में बिना टिकट यात्रा करने वालो पर कठोर कार्रवाई...

एक दिन में पकड़े गए 945 बिना टिकट यात्री, बेस्ट के विशेष अभियान से 8 गुना पकड़े गए बिना टिकट यात्री...

मुंबई : बेस्ट प्रशासन ने बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर कार्रवाई करने के लिए विशेष अभियान छेड़ा है। बिना टिकट यात्रा करने वाले

यात्रियों पर कार्रवाई करने के लिए ने स्पेशल टीम तैनात की है। बिना टिकट बस यात्रियों पर कार्रवाई करने के लिए बेस्ट प्रशासन द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में पहले दिन ही बेस्ट को बड़ी सफलता हाथ लगी। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की धरपकड़ में 8 गुना बढ़ोत्तरी दर्ज हुई। जिससे बेस्ट की तिजोरी में दंड से पैसा भी अधिक जमा हुआ। बता दे कि बेस्ट प्रशासन ने बिना टिकट यात्रियों को धरपकड़ करने के लिए विशेष अभियान छेड़ा है। बिना टिकट यात्रियों को पकड़ने के लिए बेस्ट प्रशासन ने स्पेशल टीम गठित की है। पहले दिन ही बेस्ट द्वारा चलाए गए इस अभियान में 945 बिना टिकट यात्री पकड़े गए।बेस्ट प्रशासन ने इन बिना टिकट यात्रियों से 58 हजार 457 की वसूली भी हुई। बिना टिकट यात्रियों पर अब तक हकने वाली कार्रवाई में बेस्ट को रोजाना 7 हजार रुपए का दंड मिलता है। बेस्ट की स्पेशल कार्रवाई में आठ गुना दंड वसूली बढ़ी है। बेस्ट प्रशासन बिना टिकट यात्रियों से 200 रुपया दंड वसूला जाता है। बेस्ट की बस में रोजाना 30 से 32 लाख यात्री सफर करते है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

जापान जलजलों के बावजूद....

नया साल जापान के लिए सुखद नहीं रहा, बल्कि त्रासद् ही रहा है। पहली जनवरी को ही ऐसा जलजला आया, जिसने जापान को हिला कर रख दिया। सबसे तीव्र 7.6 का भूकंप था। उसके बाद 155 और झटके लगातार महसूस किए जाते रहे, लेकिन उनकी तीव्रता 4-5 के बीच रही। भूकंपों के कारण करीब 55 जापानियों की मौत हुई। जो अनौपचारिक तौर पर खुलासा किया गया है, उसके मुताबिक हजारों घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। हजारों मकान ढह भी गए हैं। सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है, लिहाजा मृतकों और घायलों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। बीते साल तुर्किए में 7.8 रिक्टर स्केल वाला भूकंप आया था, जिसमें 52,000 से अधिक लोग मारे गए थे और असंख्य इमारतें 'मलबा' हो गई थीं। जापान में 1923 के उस जलजले को भी याद किया जा रहा है, जिसकी तीव्रता लगभग मौजूदा भूकंप जितनी ही थी, लेकिन करीब 1,40,000 लोग मारे गए थे। अब मौतों की जो संख्या है या जो क्षतियां हुई हैं, वे अतीत के अनुभव और तुर्किए के जलजले की तुलना में बेहद कम हैं। इसका श्रेय जापान के आपदा प्रबंधन और भूकंपरोधी इमारतों के कानूनों को दिया जा रहा है। जापान तो जलजलों के ऊपर बसा एक देश है, जो औसतन 5 भूकंपीय झटके हररोज झेलता है। जापान में 6 तीव्रता से ज्यादा के कमोबेश 20 फीसदी भूकंप होते हैं। जलजलों के बावजूद जापान विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जापान में 2 जनवरी को टोक्यो एयरपोर्ट पर दो विमानों में टक्कर हो गई और विमान आग के शोले में तबदील हो गए। एक विमान तटरक्षक विभाग का था, जो भूकंप प्रभावितों के लिए राहत सामग्री लेकर जाने वाला था। उसमें सवार 6 में से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि पायलट को बचा लिया गया, लेकिन दूसरे विमान में, जो लैंडिंग कर रहा था, 379 यात्री सवार थे। कितना बड़ा मानवीय संकट सामने था! ऐसी भयानक घटना के बावजूद सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया।

यह है जापान के आपदा प्रबंधन का कमालङ्ग! दुनिया में विमान दुर्घटना का एक भी ऐसा मामला नहीं है कि एक भी यात्री हताहत न हुआ हो! जापान सागर के तट पर स्थापित परमाणु ऊर्जा का प्लांट भी सुरक्षित रहा। दरअसल जापान से सभी को सबक सीखने चाहिए। वहां भूकंपरोधी इमारतों की मुख्यत: तीन श्रेणियां हैं। इमारतों की नींव में रबड़ के पैड्स और प्लेटफॉर्म इस तरह बनाए जाते हैं कि कितने भी तीव्र भूकंपों में इमारतें झूल सकती हैं, लेकिन उनके ध्वस्त होकर गिरने की दर बहुत कम है। जापानी नागरिक इमारतों संबंधी कानूनों का पूर्णत: पालन भी करते हैं। उनकी सोच है कि नियमानुसार इमारत बनाने से वे खुद, उनके परिजन और मित्र सुरक्षित रह सकते हैं। भारत में बहुमंजिला इमारतों के निर्माण में कोताही और भ्रष्टाचार खूब हैं। भारत ऐसे भूकंप और प्रलय झेल चुका है, जिनमें हमारे निर्माण मिट्टी और मलबा हुए हैं। पिछली बारिशों में पहाड़ी इलाकों में घर-मकान ताश के पत्तों की तरह बिखर कर ढहे थे, जो लापरवाही और भ्रष्टाचार के साक्षात उदाहरण हैं। अब भी सब कुछ रामभरोसे चल रहा है। भारत में करीब 8 की तीव्रता वाले भूकंप बहुत कम आए हैं। फिर भी गुजरात का कच्छ और उत्तराखंड आदि के कुछ त्रासद मामले याद आते हैं। पड़ोसी देश नेपाल के विनाशकारी जलजलों को कौन भूल सकता है? जलजलों और विनाश को झेलना तो जापान की नियति रही है। सुनामी की लहरें तो इस बार भी उठी थीं, लेकिन संकट टल गया। अलबत्ता जापान के नोटो इलाके में जमीन 1.3 मीटर पश्चिम की तरफ खिसक चुकी है। कई राजमार्गोंऔर सडकों में चौड़ी-चौड़ी दरारें पड़ चुकी हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

क्रोफेड मार्केट के सामने वाहन चालकों से अवैध वसूली पर मनपा सख्त

ठेकेदार का रद्द किया ठेका मुफ्त में होगी वाहनों की पार्किंग

मुंबई : मनपा मुख्यालय के पास ही क्रोफेड मार्केट के सामने पे एंड पार्किंग ठेकदार द्वारा की जा रही अवैध वसूली पर मनपा प्रशासन ने ठेकेदार का ठेका रद्द कर दिया है। मनपा ए वार्ड के सहायक आयुक्त जयदीप मोरे ने कहा कि नया ठेकेदार की नियुक्ति नहीं होने तक वाहन चालकों से पार्किंग करने का पैसा नही वसूला जाएगा।

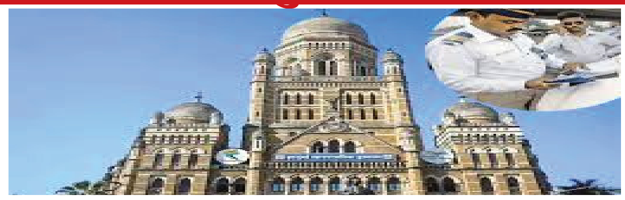

मनपा के सहायक आयुक्त जयदीप मोरे ने बताया कि क्रोफेड मार्केट के सामने बड़ी संख्या में वाहनों की पार्किंग होती है। पे एंड पार्किंग का ठेकेदार वाहन चालकों से अवैध वसूली करता है इस तरह की शिकायत वाहन चालकों द्वारा बार बार आ रहीं थी। ठेकेदार को इसकी चेतावनी देने के बावजूद ठेकेदार अवैध रूप से वाहन चालकों से वसूली कर रहा था। मनपा सहायक आयुक्त ने बताया कि इस परिसर में ठेकेदार को प्रति घंटे 70 रुपया शुल्क होने के बावजूद वाहन चालकों से ठेकेदार 300 रूपया तक प्रति घंटा का वसूल करता था ।उन्होंने बताया कि पिछले दिनो मनपा के एक इंजिनियर को भेजकर इसकी जांच की गई। पिछले दिनो मुलुंड के एक वाहन चालक से कुछ मिनट के लिए वाहन खड़ी करने के लिए जगह मांगी। ठेकेदार ने पहले 150 रुपया मांगा लेकिन समझौता करते हुए 100 रुपया में पार्किंग करने के लिए दिया ।मनपा प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार मनपा ने इस परिसर के ठेका सदा फूले नामक महिला बचत गट को दिया गया था। महिला बचत गट ने खुद पे एंड पार्किंग न चलाते हुए दूसरे ठेकेदार को ठेका सौप दिया था ।उक्त ठेकेदार को अवैध वसूली के मामले में मनपा ने पिछले महीने ठेकेदार पर 6 हजार का दंड लगाया था इतना ही नही उसके बाद 19 दिसंबर को मनपा ने 9 हजार का दंड लगाया। ठेकेदार पर अवैध वसूली के मामले में बार बार दंड लगाए जाने और उसे नोटिस देने के बावजूद ठेकेदार अवैध वसूली से बाज नहीं आ रहा था ।मनपा अ वार्ड के अधिकारियो ने बताया की ठेकेदार पर 3 जनवरी 2024 को 50 हजार का दंड लगाया गया । इसके बाद भी ठेकेदार द्वारा की जा रही अवैध वसूली से परेशान हो कर मनपा ने उसका ठेका ही रद्द कर दिया। मनपा प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि नए ठेकेदार की नियुक्ति होने तक वाहन चालकों को मुफ्त में वाहनों की पार्किंग करने की छूट दी गई है ।जयदीप मोरे ने कहा कि ठेकेदार से ठेका रद्द करते हुए ठेकेदार को मनपा में ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई शुरू की गई है ।उन्होंने बताया कि मनपा अ वार्ड ने पार्किंग विभाग के अधिकारीयों को इसकी जानकारी दी है और नया ठेकेदार की नियुक्ति करने का गुहार लगाई है। नए ठेकेदार की नियुक्ति तक मुफ्त में वाहनों को पार्किंग करने की छूट दी हैं।

राम मांसाहारी थे, वाले विवादित बयान पर बढ़ा बवाल, आव्हाड ने मांगी माफी

ठाणे : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रवक्ता, विधायक एवं पूर्व मंत्री डा जितेंद्र आव्हाड ने भगवान श्री राम को मांसाहारी बताया था। आव्हाड के इस बयान पर जब बवाल बढ़ाने लगा तब उन्होंने माफी मांग लिया, इसके बावजूद हिंदू संगठनों और विरोधी राजनीतिक दलों का उन पर हमला करने का सिलसिला लगातार जारी है। उन्हे मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती करने और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की जा रही है।

अयोध्या में भव्य राम श्री राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर एक पत्रकार ने आव्हाड से प्रतिक्रिया मांगी थी। इस पर आव्हाड ने अपने एक बयान में श्री राम को मांसाहारी बता दिया था। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर महाराष्ट्र ही नहीं पूरे देश में जबरदस्त उत्साह का माहौल है, ऐसे में आव्हाड के इस बिबादित बयान पर जबरदस्त बवाल शुरू हो गया। भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट), राष्ट्रवादी (अजीत पवार गुट) तथा अन्य हिंदू संगठनों ने आव्हाड के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। विवादित बयान का विरोध करने के लिए राष्ट्रवादी अजीत गुट के कुछ कार्यकर्ता आव्हाड के बंगले पर आरती करने पहुंच गए। वर्तक नगर पुलिस जब कार्यकताओं को हिरासत में लेकर वर्तक नगर थाने पहुंची तो इसे लेकर थाने में जमकर बवाल हुआ। जिला अध्यक्ष आनंद परांजपे ने पुलिस को चौबीस घंटे के अंदर आव्हाड के खिलाफ मामला दर्ज करने का अल्टीमेटम दिया है। उसके बाद थाने का घेराव करने की चेतावनी दी है। सकल हिंदू समाज की तरफ से मेंटल हॉस्पिटल के डीन को एक ज्ञापन सौपा गया है जिसमें आव्हाड के लिए अस्पताल में एक बेड आरक्षित करने की मांग की गई थी। शिवसेना शिंदे गुट के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने आव्हाड को हरा, दोमुंहा सांप बताकर महाराष्ट्र विकास आघाड़ी नेताओ पर जम कर निशाना साधा है।

'लड़कियां यौन इच्छाओं पर रखे नियंत्रण'

कलकत्ता उच्च न्यायालय के इस आदेश पर बंगाल सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट... HC के खिलाफ दाखिल की याचिका

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देते हुए एक अपील दायर की है जिसमें लड़कियों को ''यौन इच्छाओं पर नियंत्रण'' रखने और युवाओं को महिलाओं का सम्मान करने के लिए खुद को प्रशिक्षित करने की सलाह दी गई है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा 8 दिसंबर के फैसले की आलोचना की थी और की गई टिप्पणियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि ये टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक और गैर जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा अक्टूबर में दिए गए एक आदेश पर स्वतः संज्ञान लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि न्यायाधीशों से निर्णय लिखते समय ''उपदेश'' देने की अपेक्षा नहीं की जाती है।

यह मामला गुरुवार को न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने पीठ को सूचित किया कि राज्य ने उच्च न्यायालय के पिछले साल 18 अक्टूबर के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत में अपील दायर की है। किशोर लड़कियों को दो मिनट के यौन आनंद में नहीं डूबना चाहिए अपने फैसले में उच्च न्यायालय ने कहा था कि महिला किशोरों को ''यौन आग्रह पर नियंत्रण रखना चाहिए'' और ''दो मिनट के आनंद में नहीं डूबना चाहिए।''

नगर निगम के अधिकारी इतने अतार्किक कैसे हैं? फुटपाथ पर बोलार्ड के बीच कम दूरी होने पर हाईकोर्ट ने फटकार लगाई

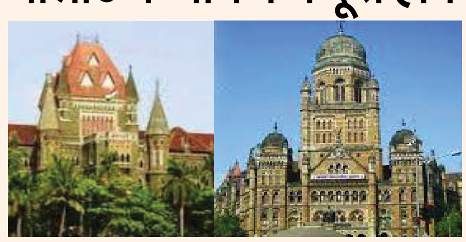

मुंबई: हाई कोर्ट ने इस तथ्य को गंभीरता से लिया है कि फुटपाथ पर लगे स्टील के खंभों (बोल्लार्ड) के बीच कम दूरी के कारण व्हीलचेयर उपयोगकताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कोर्ट ने नगर निगम की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए सवाल उठाया कि नगर निगम के अधिकारी इस मामले में इतने अतार्किक कैसे हो सकते हैं. इसके बाद नगर निगम की ओर से कोर्ट को आश्वासन दिया गया कि व्हीलचेयर उपयोगकताओं को होने वाली समस्याओं का समाधान किया जाएगा और इन बोलार्ड के बीच की दूरी एक मीटर रखी जाएगी. ऐसा नहीं है कि नगर पालिका नागरिकों की सुविधाओं के लिए प्रयास या खर्च नहीं करती। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि बोलार्ड में कम दूरी जैसी गलतियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलने के लिए वारकरी का भजन के माध्यम से सरकार का विरोध किया जाएगा

उरण: सरकार नवी मुंबई अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम पूर्व सांसद दीबा पाटिल के नाम पर रखने में देरी कर रही है. पनवेल कृषि उपज बाजार समिति के निदेशक राजेंद्र पाटिल ने जानकारी दी है कि 13 जनवरी को वारकरी के जन्मदिन पर परियोजना से प्रभावित 95 गांवों में भजन कीर्तन और उपदेश के माध्यम से सरकार का विरोध किया जाएगा. दावा किया गया है कि इस आंदोलन में पांच हजार से ज्यादा वारकरी और नागरिक हिस्सा लेंगे. यह विरोध प्रदर्शन नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के प्रवेश द्वार पर किया जाएगा. इस समय हाकिमों को चेतावनी भी दी जाएगी कि वे न जाएं. साथ ही खारघर के पूर्व सरपंच विजय शिरढोणकर ने यह भी बताया कि अगर आगामी लोकसभा चुनाव से पहले नामकरण पर फैसले में देरी हुई तो एयरपोर्ट बंद कर दिया जाएगा. पिछले तीन वर्षों से मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में स्थानीय भूमिपुत्र इस मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं कि हवाई अड्डे का नाम दिबन रखा जाना चाहिए। इस पर ध्यान देते हुए राज्य सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव दिया है.

नगर निगम अस्पताल में 'जीरो मेडिसिन चिट्ठी योजना' के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान !

मुंबई: चूंकि नगर निगम प्रशासन ने मुंबई नगर निगम के सभी प्रमुख अस्पतालों में 'शून्य दशो चिट्ठी योजना' (जीरो प्रिस्क्रिप्शन) लागू करने का निर्णय लिया है, इसलिए मरीजों को बाहर से कोई दवा नहीं खरीदनी पड़ेगी। इस उद्देश्य के लिए आवश्यक दवाओं की अतिरिक्त खरीद की समीक्षा के बाद 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नगर निगम आयुक्त इकबाल सिंह चाहल ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में मुंबई नगर निगम की स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा के बाद जीरो प्रिस्क्रिप्शन योजना लागू करने का आदेश दिया ताकि मनपा अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बाहर से दवाएं न खरीदनी पड़े। तदनुसार, अतिरिक्त

आयुक्त (स्वास्थ्य) ने संबंधित अधिकारियों और अधिकारियों के साथ बैठक की और प्रमुख अस्पतालों में दवाओं की खरीद की समीक्षा की। मरीजों को कौन सी दवा बाहर से लानी पड़ती है इसकी भी जानकारी ली। नगर पालिका के सभी प्रमुख अस्पतालों के लिए सालाना करीब 600 करोड़ रुपये की दवाएं खरीदी जाती हैं। टेंडर प्रक्रिया और आपूर्तिकर्ताओं से आपूर्ति तथा कुछ अन्य कारणों से अक्सर इलाज करने वाले डॉक्टर मरीज के परिजनों को बाहर से दवा लाने को कहते हैं. मरीजों को किसी भी हालत में अस्पताल के बाहर से दवा न खरीदनी पड़े, इसके लिए अपर आयुक्त ने 50 हजार रुपये की अतिरिक्त दवा खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया है. नगर निगम सूत्रों ने बताया कि कमिश्नर ने इसे मंजूरी दे दी है और जल्द ही 1000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त दवाएं खरीदी जाएंगी। यह योजना 15 जनवरी से लागू होगी. निगम के सभी प्रमुख मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में कुल 7100 रोगी बिस्तर हैं और बा' रोगी विभाग में हर साल 68 लाख 21 हजार रोगियों का इलाज किया जाता है। इसका मतलब है कि इन सभी कॉलेजों के बा' रोगी विभाग में हर दिन औसतन 21,300 मरीजों का इलाज किया जाता है। इसके अलावा यहां कुछ लाख मरीजों को भर्ती कर उनका इलाज किया जाता है जबकि सालाना करीब डेढ़ लाख सर्जरी की जाती हैं। इनके साथ-साथ नगर पालिका के उपनगरीय अस्पतालों के लिए सालाना 600 करोड़ रुपये की दवाएं खरीदी जा रही थीं। अब यह दवा खरीद 50 रुपये तक हो जायेगी. सूत्रों ने यह भी बताया कि पहले चरण में यह योजना प्रमुख अस्पतालों में लागू की जाएगी और धीरे-धीरे इसे नगर पालिका के सभी अस्पतालों में लागू किया जाएगा.

मालवाहकों की हड़ताल खत्म होने के बाद भी राज्य भर से सब्जियों की आपूर्ति सुचारू है...

लेकिन दूसरे राज्यों से आवक कम होने से कीमतें बढ़ी हैं

नवी मुंबई: हालांकि मालवाहकों की हड़ताल समाप्त हो गई है, लेकिन कृषि उपज बाजार समिति में आमद नियमित नहीं हुई है। बुधवार को भी विदेश से कृषि मालगाड़ियां नहीं आईं। गुजरात से कृषि उपज की कुछ ही गाड़ियाँ आईं। इसमें दालें भी शामिल थीं. इस बीच, सब्जी बाजार में राज्य भर से पर्याप्त सब्जियां आने के कारण कीमत में ज्यादा अंतर नहीं आया. लेकिन खुदरा बाजार में सब्जियां ऊंचे दामों पर बिक रही हैं. केंद्र सरकार द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट में किए गए संशोधन के खिलाफ कार्गो ट्रांसपोर्टरों ने सोमवार से तीन

दिनों की हड़ताल बुलाई थी. लेकिन मंगलवार रात को हड़ताल खत्म कर दी गई. एक ट्रक ड्राइवर ने बताया कि कुछ छोटे संगठनों ने गाड़ियां नहीं निकाली हैं. इसका नतीजा दो दिनों तक बाजार में कृषि उपज में गिरावट के रूप में देखने को मिला. इसी के अनुरूप बुधवार को ट्रेनें पहुंचीं। मंगलवार को सब्जी मंडी में सिर्फ 516 कारें आईं, जबकि बुधवार को 560 कारें आईं। हालांकि, विदेशी कारें नहीं आने के कारण विदेशों से मटर, गाजर, फूल और हरी मटर जैसी सब्जियों की कीमतें मंगलवार की तुलना में ऊंची रहीं। एपीएमसी के एक व्यापारी रामदास पावले ने कहा, हालांकि, चूंकि राज्य से आमद नियमित है, इसलिए इन सब्जियों की कीमतें नियमित हैं। वाशी डिपोनजिक के खुदरा सब्जी व्यापारी दीपेश शर्मा को उम्मीद है कि कल से कीमतें स्थिर हो सकती हैं। इस बीच, नवी मुंबई के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक था।

डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत के मामले में एक अधिकारी समेत तीन लोगों को लिया गया हिरासत में...

ठाणे: भिवंडी नगर निगम के कर विभाग के प्रमुख सुदाम जाधव सहित तीन अन्य को ठाणे के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए हिरासत में लिया है। यह बात सामने आई है कि बिना लाइसेंस के निर्माण कार्य का संपत्ति क्रमांक तय करने की एवज में उसने रिश्वत मांगी थी। मंगलवार को सुदाम जाधव ने भैंस और गाय की चर्बी से नकली घी बनाने की विधि का पदार्फाश किया. इसके बाद अगले ही दिन उनके खिलाफ रिश्वतखोरी की कार्रवाई होने से हड़कंप मच गया. हिरासत में लिए गए अधिकारियों और कर्मचारियों की पहचान सुदाम जाधव (54), क्लर्क किशोर केन (51) और क्लर्क सिराबानो अंसारी (52) के रूप में की गई है। शिकायतकर्ता द्वारा

दायर शिकायत के अनुसार, उनके पास 13 हजार 800 वर्ग फुट का निर्माण क्षेत्र है। यह निर्माण बिना लाइसेंस के है और निमार्णों की संपत्ति संख्या को बनाए रखने के लिए, पुराने कराधान को रद्द करने और नए संशोधित कराधान को लागू करने के लिए, सुदाम जाधव, किशोर केन और सिराबानो अंसारी को प्रति वर्ग मीटर के आधार पर उनसे लिया गया है। 15 रुपए प्रति फुट के हिसाब से 2 लाख 7 हजार रुपए की मांग की गई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने ठाणे एंटी करप्शन डिपार्टमेंट में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने मामले की जांच की तो पता चला कि उन्होंने रिश्वत मांगी थी. समझौते के बाद 1 लाख 50 हजार रुपए देना तय हुआ। यह भी पता चला कि सुदाम जाधव और सायराबानो ने किशोर केन से रिश्वत की रकम मांगी थी. बुधवार दोपहर को रिश्वत निरोधक विभाग ने केन को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। बाद में सुदाम और सायराबानो को भी हिरासत में लिया गया. इस मामले में निजामपुरा थाने में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही थी. भिवंडी में भैंस और गाय की चर्बी से नकली घी बनाने की विधि खोजी गई। यह कार्रवाई सुदाम जाधव की टीम ने की. इसके बाद अगले ही दिन सुदाम जाधव पर कार्रवाई होने से नगर निगम में हड़कंप मच गया है.

योजना एवं समन्वय से हो कंक्रीटीकरण का कार्य... जिला कलक्टर का राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को कड़ा निर्देश

पालघर: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के 121 किमी के हिस्से में कंक्रीटिंग यानी खराब टॉपिंग का काम शुरू कर दिया है, जिसके कारण इस राजमार्ग पर यातायात की काफी भीड़ है। कलेक्टर गोविंद बोडके ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को कंक्रीटिंग के अगले चरण योजनाबद्ध तरीके से और पुलिस राजमार्ग पुलिस लोक निर्माण विभाग के समन्वय से करने के निर्देश दिए हैं। दिसंबर के आखिरी हफ्ते में खानीवाड़े टोल प्लाजा से वसई तक दोतरफा खराब टॉपिंग

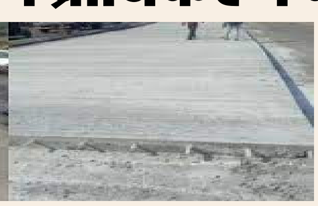

का काम शुरू होने के बाद भारी ट्रैफिक जाम हो गया था. इस बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी ने कलेक्टर को समझाया कि इस तरह के काम करते समय स्थानीय प्रशासन, पुलिस, हाईवे पुलिस को विश्वास में नहीं लिया जाता. कलेक्टर गोविंद बोडके ने कड़े शब्दों में नाराजगी व्यक्त करते हुए योजनानुसार कार्य करते रहने की चेतावनी दी। इस जाम के कारण नवाशेवा बंदरगाह जाने वाले भारी यातायात, मुंबई हवाईअड्डे जाने वाले यात्री यातायात और वापी, तारापुर से प्रतिदिन यात्रा करने वाले व्यापारियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। यह ध्यान रखने को कहा गया कि उपलब्ध तीन लेन में से केवल एक ही कांक्रीटीकरण किया जाए और ऐसा करते समय दो लेन यातायात के लिए खुली रहेंगी। यह सुझाव दिया गया कि कंक्रीटिंग क्षेत्र में सड़क के अन्य दो लेन पर गड्ढों को भर दिया जाना चाहिए और काम शुरू होने से पहले इस खंड में यातायात प्रवाह बनाए रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यह भी निर्णय लिया गया कि जिस क्षेत्र में काम चल रहा है, वहां मीडियन कट को बंद कर दिया जाए और जहां काम चल रहा है, वहां हर 100 मीटर पर ट्रैफिक वार्डन को 24 घंटे तैनात किया जाए और निगरानी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पुलिस को तैनात किया जाए।

स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए कल्याण रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यातायात परिवर्तन

कल्याण: कल्याण डोंबिवली नगर पालिका की मांग पर कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास स्मार्ट सिटी परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए परिवहन विभाग ने यहां पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यातायात में बदलाव करने का निर्णय लिया है. यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गिरीश बाने ने कहा, इसमें कुछ सड़कें एक दिशा में और कुछ सड़कें बंद रहेंगी। महात्मा फुले चौक, एस. टी। बस डिपो से वल्लीपीर रोड के बीच फ्लाईओवर का काम चल रहा है। इस कार्य के लिए रेलवे आरक्षण केंद्र से सार्वजनिक शौचालय गृह तक का मार्ग यातायात के लिए बंद

रहेगा। शिवाजी चौक, मुहम्मद अली चौक, पुष्करराज होटल और दीपक होटल के बीच यातायात एक दिशा में संचालित किया जाएगा। रेलवे स्टेशन से शिवाजी चौक की ओर जाने वाले वाहनों के लिए दीपक होटल में प्रवेश बंद रहेगा। ये वाहन महात्मा फुले चौक, दीपक होटल से लेकर एस. टी। बस आगर से गुरुदेव होटल होते हुए इच्छित स्थान पर जाएगी।

पिछले नौ वर्षों में 11,316 यात्रियों की ट्रेन दुर्घटनाओं में हो गई मौत !

मुंबई: कोरोना काल के बाद जैसे-जैसे उपनगरीय रेलवे की ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ी है, दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ने लगी है. बुधवार सुबह खचाखच भरी चलती ट्रेन से गिरकर दो यात्रियों की मौत हो गई। पिछले नौ वर्षों में ट्रेन दुर्घटनाओं में 11,316 यात्रियों की मौत हो गई। इसलिए, उपनगरीय रेलवे सेवा, जो मुंबई की जीवन रेखा है, पर यात्रा करना मुंबईकरों के लिए असुरक्षित हो गया है। उपनगरीय ट्रेनों में सुबह 7 बजे से 11 बजे और शाम 5 बजे से 8.30 बजे के बीच बहुत भीड़ होती है। इस समय ट्रेन में घुसने की जगह नहीं होने के कारण यात्री दरवाजे पर लटककर यात्रा करते हैं. मध्य रेलवे पर ट्रेनें देरी से चलने के कारण यात्रियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। हालांकि, कभी-कभी ट्रेनों में भीड़ अधिक होने के कारण दरवाजे पर खड़े यात्रियों को बाहर निकाल दिया जाता है। इसमें कई लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है.

इसके अलावा रेलवे ट्रैक पार करते समय भी यात्रियों की दुर्घटनावश मौत हो जाती है। बुधवार सुबह विलेपार्ले में रेलवे ट्रैक पार करते समय एक यात्री की मौत हो गई। तो कल्याण-डोंबिवली के बीच एक महिला और एक पुरुष यात्री की गिरकर मौत हो गई. सीमा पार करने में जोखिम उठाना पड़ता है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग ने कहा कि इस प्रकार की घटना से बचने के लिए यात्रियों के बीच जन जागरूकता पैदा की जाती है. यात्रियों को भीड़भाड़ से मुक्ति दिलाने के लिए ''जीरो डेथ कैंपेन'' चलाया जा रहा है. कार्यालय समय में बदलाव के लिए मुंबई के संस्थानों को पत्राचार किया गया है।

दहिसर और मुलुंड कोरोना सेंटर मामले में मुंबई पुलिस ने दर्ज किया केस...

37 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

मुंबई: दहिसर और मुलुंड में बनाए गए कोरोना केंद्रों में कथित गड़बड़ियों को लेकर ताड़देव पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है. आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों और गलत जानकारी के आधार पर 37 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई और इस मामले में ठेकेदार ओक्स मैनेजमेंट कंसल्टेंसी प्रा. लिमिटेड सूत्रों ने बताया कि राहुल गोम्स और नगर निगम के तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. इस मामले की जांच मुंबई पुलिस की वित्तीय अपराध शाखा करेगी. इस बीच बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया है कि राहुल गोम्स ठाकरे विधायक आदित्य ठाकरे के करीबी हैं.

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने 1 अक्टूबर 2020 से 1 अगस्त 2022 के बीच साजिश रचकर इस पूरे कुकृत्य को अंजाम दिया है. इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा की असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर शिल्पा ठेंगे ने खुद शिकायत दर्ज कराई है.

शिकायत के अनुसार ठेकेदार मे. ओक्स मैनेजमेंट कंसल्टेंसी प्रा. लिमिटेड के निदेशक राहुल गोम्स ने दहिसर और मुलुंड में जंबो कोरोना केंद्र स्थापित किए। इसे मुंबई नगर निगम को हस्तांतरित करने के बाद, किराए की मांग के लिए बेईमानी से गलत जानकारी और भुगतान नगर निगम को प्रस्तुत किया। मुंबई नगर निगम के संबंधित अधिकारियों ने ठेकेदारों और विक्रेताओं के साथ साजिश रची और इस पूरे कदाचार को अंजाम दिया। अधिकारियों ने अधिकार का दुरुपयोग किया और जानबूझकर गलत भुगतान स्वीकृत किया। इसके बदले में ठेकेदार को 37 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ. शिकायत में कहा गया कि इससे सरकार को नुकसान हुआ. इस मामले में ठेकेदार राहुल गोम्स और उनके विक्रेताओं, मुंबई नगर निगम के तत्कालीन संबंधित अधिकारियों के खिलाफ साजिश, फर्जी दस्तावेज तैयार करना, उनका दुरुपयोग करना, धोखाधड़ी जैसी विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राहुल गोम्स को दिए गए कॉन्ट्रैक्ट का सत्यापन भी किया.

दहानू तालुक के तलासारी में फिर आया भूकंप

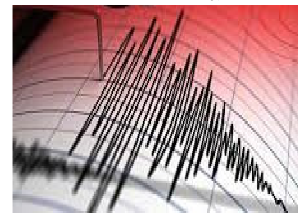

पालघर : पालघर के तलासरी और दहानू तालुका एक बार फिर भूकंप की चपेट में आ गए हैं. आज दोपहर करीब 1:47 बजे 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से नागरिकों में एक बार फिर डर का माहौल बन गया है. पालघर के दहानू और तलासरी तालुका में 2018 से भूकंप आ रहे हैं। इस साल जनवरी के पहले हफ्ते में भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं. अचानक फिर से शुरू हुए भूकंप के झटके से इलाके के नागरिकों में डर फैल गया है. भूकंप के कारण आपात स्थिति की आशंका के चलते प्रशासन फिर से जनजागरूकता पैदा कर भूकंप संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपकरण वितरित करने की मांग कर रहा है.

वसई से 3 नाबालिग लड़कियां लापता... जिसमें दो बहनें भी शामिल हैं

वसई: वसई के चुलाने गांव में रहने वाली दो नाबालिग बहनें घर की एक नाबालिग नौकरानी के साथ लापता हो गई हैं। इससे हड़कंप मच गया है. इस मामले में मानिकपुर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है और इन लड़कियों की तलाश जारी है. ये दोनों बहनें वसई के चुलाने गांव में रहती थीं। बड़ी बेटी 15 साल और छोटी बेटी 12 साल की है. कुछ महीने पहले रत्नागिरी से

एक पंद्रह वर्षीय लड़की को उसके माता-पिता घर का काम करने के लिए घर ले आए। उन पर इन दोनों बहनों के भरण-पोषण का काम था। बुधवार की सुबह जब बच्ची की मां ने अपने कमरे का दरवाजा खोला तो दोनों बच्चियां और नौकरानी गायब थे। हर जगह तलाश करने के बाद मानिकपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। चूंकि तीनों लड़कियां नाबालिग हैं इसलिए पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है और इन लड़कियों की तलाश जारी है. इस बीच, माता-पिता ने बच्ची की तलाश के लिए सोशल मीडिया पर फोटो प्रसारित कर जानकारी देने की अपील की है.

कल्याण डोंबिवली में 1.65 लाख अवैध निर्माण पर हाईकोर्ट की नाराजगी!

मुंबई: उच्च न्यायालय ने बुधवार को कल्याण-डोंबिवली नगरपालिका सीमा में 1.65 लाख से अधिक अवैध निर्माणों के कारण होने वाली समस्याओं के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। साथ ही, अदालत ने नगर निगम आयुक्त को स्थिति से निपटने के लिए ठोस उपायों की योजना के

साथ अगली सुनवाई में पेश होने का भी आदेश दिया, यह सवाल करते हुए कि इतनी बड़ी संख्या में अवैध निर्माणों को कैसे खड़े रहने दिया गया। नगर निगम सीमा में बड़ी संख्या में अवैध निर्माणों को देखते हुए इन निर्माणों की अनुमति किसने दी? नगर निगम ने इन निर्माणों को कैसे खड़ा रहने दिया? मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने कहा कि इस अवैध निर्माण के कारण अब विभिन्न मानवीय समस्याएं पैदा हो गई हैं। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि अगर नगर निगम के अधिकारी सचेत होते तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती.

हरिश्चंद्र म्हात्रे ने जनहित याचिका के माध्यम से उच्च न्यायालय के ध्यान में लाया है कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम की सीमा के भीतर नगर निगम और राज्य सरकार के स्वामित्व वाली भूमि पर बड़ी संख्या में अवैध निर्माण किए गए हैं। साथ ही इस निर्माण को लेकर नगर निगम को तोड़फोड़ की कार्रवाई करने का आदेश देने की भी मांग की गई है. इसी याचिका पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने उक्त आदेश पारित किया. कल्याण-डोंबिवली नगर निगम सीमा में 1.65 लाख से ज्यादा अवैध निर्माण हैं और अगर इन अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गई तो इनमें रहने वाले परिवार सड़कों पर आ जाएंगे. इसलिए याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील श्रीराम कुलकर्णी ने कोर्ट का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि सरकार अब जुर्माना लगाकर इन निर्माणों को नियमित करना चाहती है. कोर्ट ने इसका संज्ञान लिया. मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने जिला कलेक्टर को 24 जनवरी को सुनवाई में शामिल होने के लिए एक अधिकारी नियुक्त करने और सरकारी स्वामित्व वाली भूमि पर अवैध निर्माण को हटाने की योजना प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

आखिरकार असिस्टेंट कमिश्नर सचिन बच्चाओ की जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई

भायंदर: विधायक गीता जैन की पिटाई मामले से विवादों में घिरे तत्कालीन सहायक आयुक्त सचिन बच्चाओ के मामलों की जांच के आदेश आखिरकार मनपा आयुक्त ने दे दिए हैं. इस संबंध में दोनों अपर आयुक्तों की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया गया है. छह महीने पहले (20 जून, 2023) मीरा रोड और भायंदर शहर की विधायक गीता जैन ने नगर पालिका के जूनियर इंजीनियर संजय सोनी और शुभम पाटिल के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की थी. गीता जैन ने उस समय आरोप लगाया था कि यह जूनियर इंजीनियर डिविजन ऑफिसर (नंबर 6) सचिन बच्चाओ केवल डेवलपर को फायदा पहुंचाने के लिए अवैध रूप से हो रहे एक निर्माण पर कार्रवाई करने आए थे। इंजीनियर द्वारा की गई शिकायत वापस लेकर पूरा मामला ठंडा कर दिया गया था। ऐसा होने से पहले. इस बीच, पांच महीने पहले सरकार ने वासचिन बच्चाओ का तबादला कर दिया और ये दोनों इंजीनियर अभी भी नगर पालिका में काम कर रहे हैं।

पिछले साल मुंबई में घर की कीमतों में सात फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 11 साल में सबसे ज्यादा घर बिक्री है

मुंबई: देश के अन्य शहरों की तुलना में मुंबई ने मकानों की बिक्री में अपना स्थान बरकरार रखा है और पिछले साल 86 हजार 871 मकान बिके हैं. सर्वे करने वाली कंपनी नाइट फ्रैंक ने दावा किया है कि यह पिछले 11 साल में सबसे ज्यादा मकान बिक्री है। इसके अलावा इस साल 93 हजार 51 घर नए बिक्री के लिए उपलब्ध हुए हैं और यह भी 2014 के बाद एक रिकॉर्ड है, ऐसा इस कंपनी द्वारा जारी अर्धवार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है। दावा है कि पिछले साल मुंबई में घर की कीमतें औसतन सात फीसदी बढ़ी हैं. इस वर्ष, घर की बिक्री या नई घोषित परियोजनाओं की संख्या में वृद्धि मुख्य रूप से पूर्वी उपनगरों में थी। पश्चिमी उपनगरों का स्थान उससे नीचे है। दावा किया गया है कि ठाणे, पुणे, नासिक, नागपुर, औरंगाबाद शहरों की तुलना में मुंबई ने मकानों की बिक्री में बाजी मार ली है। इस साल नवरात्रि, दशहरा और दिवाली के दौरान बड़ी संख्या में घरों की बिक्री हुई. खरीदारों ने मुंबई महानगरीय क्षेत्र में छोटे घरों को प्राथमिकता दी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com